सारांश

'सिम्पैथि' महान् अँग्रेजी कवि चार्ल्स मके द्वारा लिखी गई कविता है । यह एक हृदयस्पर्शी कविता है । एक बार कवि दु:ख में लेटा हुआ था । वह अत्यन्त पीड़ित था । एक घमंडी धनी व्यक्ति ने उसकी कराह सुनी । उसने उसे सोना दिया पर दया या करूणा का एक शब्द भी नहीं । कवि का दु:ख खत्म हो गया और उसने उसे सोना वापस कर दिया ।

एक बार फिर कवि दु:ख में, पीड़ा में पड़ा था । इस बार एक गरीब आदमी ने उसके सिर को दबाया, उसे रोटी खाने को दी और रात-दिन उसकी देखभाल की । कवि यह सोच ही नहीं पा रहा था कि कैसे उसके उपकार को वापस लौटाया जाय । कवि इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि सोना कीमती है पर सुखद सहानुभूति उससे कहीं ज्यादा अनमोल है ।